हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 05 | देहरादून, सोमवार, 20 जून, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

सावधान ! अलर्ट है उत्तराखंड पुलिस, सोशल मीडिया पर न फैलाएं अफवाह 3

मुख्यमंत्री धामी और मंत्री महाराज से मिले केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह

केन्द्रीय मंत्री से मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कार्यों को पूर्ण करने की समय सीमा मार्च 2023 तक बढ़ाये जाने का किया अनुरोध

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास स्थित कैम्प कार्यालय में केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री गिरिराज सिंह ने भेंट की। उन्होंने ग्रामीण विकास, पंचायती राज एवं आवास से सम्बन्धित प्रदेश में संचालित विभिन्न केन्द्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में मुख्यमंत्री से चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की विपरीत भौगोलिक परिस्थिति, पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बरसात, अत्यधिक ठंड तथा सड़कों के लिये वन एवं पर्यावरण से सम्बन्धित स्वीकृतियों आदि में समय लगने के कारण निर्माण कार्यों के लिये समय कम मिल पाता है, इसके लिये मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री से प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कार्यों को पूर्ण करने की समय सीमा मार्च 2023 तक बढ़ाये जाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अधीन व्यय होने वाली धनराशि की समय सीमा को भी सितम्बर, 2022 से मार्च 2023 तक बढ़ाये जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने राज्य की पर्वतीय भौगोलिक परिस्थिति वाले सीमांत क्षेत्रों के कम आबादी वाले 150 से 250 तक आबादी वाले गांवो को प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अधीन सड़क से जोड़ने के लिये मानकों में छूट दिये जाने का भी अनुरोध किया। अभी तक 250 से अधिक आबादी वाले गांवों को इसमें शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानकों में छूट दिये जाने से 250 से कम आबादी वाले गांवों को भी सड़कों से जोड़ने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने पंचायत भवनों के निर्माण, कम्प्यूटरीकरण एवं स्वच्छता के लिये भी अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराये जाने का भी अनुरोध भी केन्द्रीय मंत्री से किया।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की सड़कों की गुणवत्ता एवं रखरखाव के साथ ही सड़कों के निर्माण में नई तकनीकि के उपयोग पर ध्यान देने की जरूरत बतायी। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित होने वाले भवनों के निर्माण भी तेजी लाये जाने की अपेक्षा की।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री ने मनरेगा के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमों में पारदर्शिता लाये जाने के लिये इसकी मॉनीटरिंग पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि इसके लिये नेशनल मोबाइल मॉनीटरिंग सिस्टम के साथ ही मोबाइल वाट्सएप्प ग्रुप बनाये जाने की व्यवस्था की जाय, इसमें ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, वार्ड मेम्बर सम्बन्धित अधिकारियों के साथ सांसद एवं विधायकों को भी ग्रुप में जोड़े जाने की व्यवस्था रखी जाय ताकि इसके तहत होने वाले कार्यों में पारदर्शिता रहे तथा कार्यों में भी तेजी आ सकेगी।

केन्द्रीय मंत्री गिरीराज सिंह ने मुख्यमंत्री को उनके द्वारा उठाये गये विषयों पर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सड़कों के निर्माण में नई तकनीकि के उपयोग आदि में सहयोग के लिये राज्य के साथ टैक्नॉलाजी वर्कशाप के आयोजन की भी बात कही। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, गणेश जोशी, अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्धन, सचिव श्री नितेश झा, आर.मीनाक्षी सुन्दरम, संयुक्त सचिव पंचायती राज भारत सरकार प्रेम नागर, अपर सचिव एवं एम. डी. पेयजल एवं पीएमजीएसवाई उदय राज, निदेशक पंचायतीराज बंशीधर तिवारी आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने किया उत्तराखण्ड पत्रकार यूनियन के प्रान्तीय सम्मेलन में प्रतिभाग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को आई.आर.डी.टी ऑडिटोरियम में आयोजित उत्तराखंड पत्रकार यूनियन के द्वितीय प्रांतीय सम्मेलन में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, समाजसेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को उत्तराखण्ड पत्रकार यूनियन देवभूमि रत्न अवार्ड से सम्मानित किया तथा उत्तराखंड पत्रकार यूनियन की स्मारिका का भी विमोचन किया।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर विशेष प्रमुख सचिव सूचना अभिनव कुमार को पत्रकारों को दी जाने वाली पेंशन से सम्बन्धित नियमों को सरल बनाये जाने के निर्देश देते हुए प्रदेश सरकार द्वारा पत्रकार कल्याण कोष के अधीन दी जाने वाली पत्रकार पेंशन की धनराशि 5000 से बढ़ाकर 8000 किए जाने, एवं प्रदेश के विभिन्न जिलों से देहरादून आने वाले पत्रकारों को पूर्व की भांति सूचना विभाग द्वारा आवास व्यवस्था किये जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे मीडिया से जुड़े अधिकांश पत्रकार भाइयों से परिचित हैं। पत्रकारिता का

छात्र होने के नाते वे पत्रकारिता क्षेत्र की समस्याओं से भी परिचित हैं। आज समय के साथ पत्रकारिता के आयाम बदले हैं। पत्रकारों को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए उन्होंने कहा कि निडर, निर्भीक, निष्पक्ष पत्रकारिता का समाज में अहम योगदान रहता है। एक पत्रकार हमेशा समाज को शिक्षा देने के साथ दिशा देने का भी कार्य करता है।मुख्यमंत्री ने कहा की जनता एवं सरकार के बीच में संवाद कायम कर, सरकार एवं प्रशासन के सामने जनता की समस्याओं को सामने लाकर पत्रकार हमेशा ही अहम भूमिका निभाते हैं, साथ ही संवाद का माध्यम बनकर विकास में अपना योगदान देते हैं। उन्होंने सभी पत्रकारों से हमेशा साफ-सुथरी एवं निर्भीक निष्पक्ष निडर पत्रकारिता के साथ चलने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि कलम की ताकत हमेशा ही अन्य ताकतों पर भारी रहती है।

इस अवसर पर विशेष प्रमुख सचिव सूचना अभिनव कुमार ने कहा कि सरकारी सेवा में आने से पहले वे भी पत्रकार रहे हैं। यह संयोग ही है कि उन्हें आज पत्रकारों के साथ सहयोगी के रूप में कार्य करने का भी अवसर मिला है। उन्होंने पत्रकारों से सकरात्मक एवं तथ्यात्मक रूप से जो कमियां उन्हें दिखाई दे उससे अवगत कराने तथा समाजहित से जुड़े कार्यों के प्रचार प्रसार में सहयोग की अपेक्षा की। कार्यक्रम में उत्तराखंड पत्रकार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र कंडारी, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री मनमीत रावत, प्रदेश महामंत्री श्री हरीश जोशी, विकास धूलिया, श्री नवीन थलेड़ी, अशोक पाण्डे, सहित मीडिया से जुड़े तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

सहकारिता के समंदर में भ्रष्ट्राचार के मोती बटोर रही धामी सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जीरो टॉलरेंस का ढोल पीटने में मशगूल उत्तराखंड की धामी सरकार की नाक के नीचे नित नए मामले सामने आ रहे हैं लेकिन बेशर्मी का आलम यह है कि सरकार निर्लज्जता के साथ मौन साधे बैठी है। खनन के मामले में क्या क्या खेल नहीं हुए, यह किसी से छिपा नहीं है।उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राजीव महर्षि ने सहकारिता महकमे में एक के बाद एक किए जा रहे घपलों को लेकर धामी सरकार को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा कि घपले घोटालों का पर्याय बन चुके सहकारिता विभाग के समंदर में धामी सरकार भ्रष्ट्राचार के मोती बटोर रही है। उन्होंने कहा कि विगत चुनाव से पहले सहकारिता भर्ती घोटाला सामने आया था, जिसमें अपात्रों का चयन हो गया था और पात्र अभ्यर्थी मुंह ताकते रह गए थे। उसकी जांच के नाम पर भी केवल नाटक हुआ था।महर्षि ने कहा कि ताजा मामला बहुउद्देशीय सहकारी समिति भानियावाला का सामने आया है, जिसमें एक दर्जन से अधिक किसानों के साथ धोखाधड़ी कर 30 लाख रुपए से अधिक का गबन कर दिया गया। इस समिति में 600 से अधिक खाते हैं, यानी जांच पूरी हो जाए तो करोड़ों का घपला सामने आ सकता है। जबकि कार्रवाई के नाम पर मात्र एक वसूली सहायक को निलंबित किया गया है। हालांकि विभागीय सचिव बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने इस तरह के मामलों का संज्ञान लेकर जांच का भरोसा जगाया है लेकिन विभागीय मंत्री का मौन हैरान करने वाला है।श्री महर्षि ने कहा कि पूरे प्रदेश में इस तरह की शिकायतें आम हैं कि सहकारी समितियों द्वारा किसानों को दिए जाने वाले कर्ज की तुलना में उनके खातों में कुछ और रकम ही दिखा दी जाती है तथा भोले किसानों का शोषण होता आ रहा है।

उन्होंने आशंका जताते हुए कहा कि इस तरह की घटना को देखते हुए लगता है कि अगर ईमानदारी से प्रदेश की तमाम सहकारी समितियों का ऑडिट कराया जाए तो अरबों का घोटाला सामने आ सकता है। उन्होंने सहकारी समितियों के कामकाज की जांच के लिए स्वतंत्र नियामक के गठन की मांग करते हुए कहा कि किसानों को शोषण से बचाने के लिए यही एक रास्ता है, वर्ना अन्नदाता तबाह हो जाएगा। पहले ही केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों से किसान परेशान है, ऊपर से सहकारिता के नाम पर इस तरह की लूट को रोकने का कोई इंतजाम नहीं है। उन्होंने कहा कि धामी जीरो टॉलरेंस का ढोल पीटने से बाज आए और किसानों के साथ हो रहे इस तरह के अन्याय पर रोक लगाए।

बारिश में अपने बच्चों का रखें खास ख्याल, वरना हो सकते हैं बीमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बारिश का मौसम बच्चे, बुजुर्ग सभी को बहुत ही पसंद आता है। इस सुहाने मौसम में सभी मस्ती के मूड में रहते हैं, लेकिन इस मौसम में काफी बीमारियां भी फैलती हैं।इसलिए इस सीजन में बच्चों का खास ख्याल रखना चाहिए। बारिश के कारण बच्चों को कई बीमारियां होने का खतरा होता है। ऐसे में उन्हें एक्सट्रा देखभाल की जरूरत होती है। आइए जानते हैं बारिश के सीजन में बच्चों का कैसे रखें बारिश के सीजन में जमीन के अंदर रहने वाले कीड़े-मकोड़े सतह पर आ जाते हैं। यह कीड़े-मकोड़े फल, सब्जियों और खाद्य पदार्थों को दूषित करते हैं। इसलिए इन मौसम में फलों और सब्जियों को अच्छे से साफ करके खाना चाहिए। अगर जरूरत हो तो बीमारी से बचने के लिए पोटेशियम परमैंगनेट का इस्तेमाल किया जा सकता है।बारिश में बच्चों को उबला हुआ पानी पिलाएंबारिश में पानी से इंफेक्शन होने का खतरा अधिक होता है। इसलिए बच्चों को पानी उबालकर पीने के लिए दें। साथ ही साफ-सफाई का खास ख्याल रखें। बच्चों को मच्छरों से बचाने के लिए घर और आस-पास गंदगी ना फैलने दें। जर्म्स को रोकने के लिए जर्म्स रिपेलेंट लिक्विड का इस्तेमाल करें।डॉक्टर से लें सलाहबच्चों की इम्यूनिटी काफी कमजोर होती है। इसलिए उनपर बीमारियां जल्दी अटैक करती हैं। ऐसे में अगर आपको उनके अंदर मौसमी बीमारी के लक्षण दिखे, तो डॉक्टर की सलाह लें। बच्चों को गंदगी और जमे हुए पानी से दूर रखें।बच्चों को भीगने से बचाएंबारिश में अपने बच्चों को भीगने ना दें। अगर वे स्कूल से आते समय भींग जाते हैं या फिर किसी अन्य कारणों से भीग भी जाते हैं, तो तुरंत उन्हें साफ पानी से नहलाया और उन्हें गर्म काढ़ा पीने के लिए दें।

आम आदमी पार्टी ने किया विचार मंथन - कमियां दूर करने का फैसला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में आम चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी का मंथन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें प्रदेश के प्रभारी समेत सभी जिलों से आए पदाधिकारी और कई कार्यकर्ता शामिल रहे। पार्टी द्वारा आज विचार मंथन शिविर नाम के इस कार्यक्रम में पहले सत्र में पार्टी के वर्तमान पदाधिकारी और विधानसभा के प्रत्याशियों ने प्रतिभाग करते हुए अपनी बातें रखी।

इसके बाद आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी दिनेश मोहनिया का सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने स्वागत किया और इस दौरान दिनेश मोहनिया ने सभी पदाधिकारियों की बातें सुनने के बाद अपने विचार रखे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और चुनाव लड़े सभी प्रत्याशियों का धन्यवाद अदा करते हुए सभी की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि ,सभी लोगों ने मिलजुल कर प्रदेश में चुनाव लड़ा जिससे पार्टी को 3.8 प्रतिशत चुनाव में वोट शेयर मिला ,जो अन्य राज्यों से अधिक आम आदमी पार्टी को प्रतिशत मिला है।उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने जिस मजबूती से विधानसभा का चुनाव लड़ा ,उसी मजबूती से पार्टी अपने पैरों पर खड़ी होकर तमाम नगर निगम और निकाय के चुनाव लड़ेगी जिसके

लिए पार्टी के तमाम पदाधिकारी अभी से धरातल पर काम करना शुरू कर चुके हैं। अध्यक्ष पद को लेकर आम आदमी पार्टी के प्रभारी ने साफ किया है की पार्टी कुछ समय बाद प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा करेगी लेकिन उससे पहले अन्य प्रकोष्ठ पर पार्टी का पूरा फोकस रहेगा।उन्होंने कहा कि 2014 से देश का माहौल काफी बदल चुका है इसलिए आम आदमी पार्टी जनता के हर मुद्दे को दोबारा से उठाएगी ताकि आम जनता का भरोसा आम आदमी पार्टी पर बना रहे।बीते चुनाव में मिली हार के कारणों पर भी प्रभारी जी ने तमाम प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं के साथ मंथन करते हुए कहा कि हार और जीत एक सिक्के के दो पहलू हैं ,लेकिन इस हार से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला है और आने वाले भविष्य के चुनावों में आम आदमी पार्टी फूंक-फूंक कर कदम रखेगी।उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से पार्टी के कार्यकर्ताओं के मन में जो सवाल है वह सामने आते हैं और आने वाले भविष्य में भी इस तरह के कई आयोजन पार्टी करेगी ताकि जिसकी जो भी समस्या है ,वह एक सार्वजनिक मंच पर आकर उसका सार्वजनिक रूप से ही समायोजन किया जा सके।नाराजगी के सवाल पर आम आदमी पार्टी के प्रभारी ने कहा कि पार्टी व्यक्ति से नहीं बल्कि विचारों से चलती है और रूठने मनाने का सिलसिला हर पार्टी में चलता है और हमारी पार्टी में अगर किसी की कोई नाराजगी है तो उसको तुरंत दूर किया जाएगा।

अनवांटेड कॉल्स से जल्द मिलेगा छुटकारा - अगस्त में शुरू होगी 5जी सेवाएं !

फ़िरोज़ गाँधी आलम की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अगर आप बेफिजूल की फ़ोन कॉल्स को रिसीव करते हुए खीजते और झुंझलाते हैं तो अब आपकी ये समस्या जल्द दूर होने जा रही है। केंद्र सरकार इसके लिए कानून लाएगी जिसकी जानकारी दूर संचार मंत्री ने दी है। वहीँ खबर है कि 5जी का इंतजार कर लोगों को इसी साल यह सर्विस मिलनी शुरू हो जाएगी. इसी साल अगस्त-सितंबर में 5जी सेवाएं शुरू होगी हो जाएंगी. दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि साल के अंत तक 20-25 शहरों और कस्बों में 5जी सेवाओं की शुरुआत हो जाएगी.

उन्होंने साथ ही संकेत दिया कि नई सेवाओं की शुरुआत के साथ भारत में डेटा कीमतें दुनिया के दूसरे देशों के मुकाबले कम बनी रहेंगी. भारत में डेटा की मौजूदा कीमतें वैश्विक औसत से काफी कम हैं. वैष्णव ने कहा कि 5जी की तैनाती अगस्त-सितंबर से शुरू होगी.

अवांछित कॉलों के लिए कानून जल्द

मंत्री ने कहा कि भारत 4जी और 5जी स्टैक विकसित कर रहा है, और डिजिटल नेटवर्क में दुनिया के लिए एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए तैयार है. उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि कई देश भारत

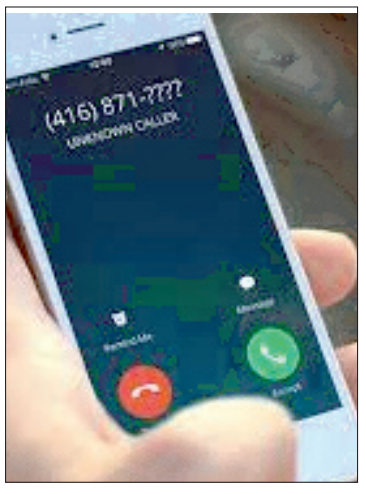

द्वारा विकसित किए जा रहे 4जी और 5जी उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्राथमिकता देना चाहते हैं.

वैष्णव ने बताया कि अवांछित कॉलों के मुद्दे को हल करने के लिए मंत्रालय एक महत्वपूर्ण नियम पर काम कर रहा है. इसके तहत किसी भी कॉल करने वाले के केवाईसी-पहचान वाले नाम को जाना जा सकेगा. उन्होंने 5जी सेवाओं पर कहा, ''मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि साल के अंत तक कम से कम 20-25 शहरों और कस्बों में 5जी की तैनाती हो जाएगी.''

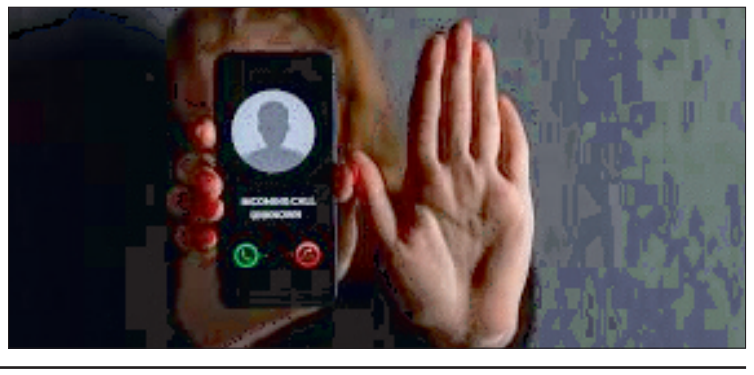

अगले विधान सभा सत्र के लिए कांग्रेस विधायक अनुपमा रावत ने तैयार की ख़ास योजना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

धामी सरकार के अगर अगले विधान सभा सत्र की बात करे तो कांग्रेस विधायक ने अभी से ही इसको रोचक बना दिया है। कांग्रेस विधायक अनुपमा रावत के बयान को समझे तो वो प्रदेश की लाखों महिलाओं को साधने की तैयारी में जुटी है। उन्होंने कहा है कि राज्य निर्माण आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण पर प्रस्तावित प्राइवेट मेंबर बिल अब विधानसभा के अगले सत्र में आएगा। हरिद्वार ग्रामीण से कांग्रेस विधायक अनुपमा रावत इस विधेयक को लाने जा रही थी। बीते रोज विस की कार्यसूची में भी यह दर्ज भी हो गया था, लेकिन हल्द्वानी लाठीचार्ज प्रकरण पर हुए हंगामे की वजह से बिल सदन में नहीं रखा जा सका।

विधायक अनुपमा ने कहा है कि राज्य आंदोलनकारियों के हितों की रक्षा के लिए कांग्रेस अंतिम क्षण तक संघर्ष करेगी। अनुपमा ने कहा कि 17 जून को सदन में ''उत्तराखंड राज्य आंदोलन के चिन्हित आन्दोलनकारियों तथा उनके आश्रितों को राजकीय सेवा में आरक्षण विधेयक - 2022'' पेश होना था।राज्य आंदोलनकारी कोटे से विभिन्न विभागों में काम कर रहे करीब एक हजार कर्मचारियों के भविष्य से जुड़ा विषय है। भाजपा सरकारों द्वारा लगातार बरती गई ढिलाई के कारण राज्य आंदोलनकारियों की नौकरियों पर तलवार लटक रही है। पूर्व में सीएम एनडी तिवारी के कार्यकाल में आंदोलनकारियों को नौकरी में आरक्षण दिया गया था।इस मामले में हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका में आंदोलनकारी आरक्षण को सही नहीं माना है। सरकार इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्टतक नहीं गई। यही नहीं पूर्ववती कांग्रेस सरकार में वर्ष 2016 से आंदोलनकारी आरक्षण बिल राजभवन में मंजूरी के इंतजार में है। लेकिन सरकार कुछ एक्शन नहीं ले रही है।

सावधान ! अलर्ट है उत्तराखंड पुलिस, सोशल मीडिया पर न फैलाएं अफवाह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश और प्रदेशों में मौजूदा हालात पर देवभूमि उत्तराखंड की मित्र पुलिस अब पूरी तरह से चौकन्नी हो गयी है। प्रदेश में प्रदर्शनकारियों और अफवाह फैलाने वाले सावधान हो जाएं क्योंकि डीजीपी ने शरारती तत्वों और साइबर क्राइम में लिप्त अपराधियों पर नज़र टेढ़ी कर दी है। उत्तराखंड पुलिस के मुखिया डीजीपी अशोक कुमार ने परिक्षेत्र एवं जनपद प्रभारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अग्निपथ योजना के विरोध में हो रहे प्रतिक्रियाओं के बाद प्रदेश में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के सम्बन्ध में एक बड़ी बैठक की।डीजीपी अशोक कुमार ने जनपद प्रभारियों को अलर्ट रहने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि कोचिंग सेन्टर संचालकों एवं प्रदर्शनकारी युवाओं से वार्ता करें और यह सुनिश्चित कर लें कि किसी भी स्थिति में शान्ति एवं कानून व्यवस्था प्रभावित न हो। प्रदेश में किसी भी कीमत पर माहौल नहीं बिगड़ने दिया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति असंवैधानिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करके शान्ति एवं कानून व्यवस्था प्रभावित करता है, तो उसके विरूद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाये।

बैठक में जो निर्देश डीजीपी ने दिए व्व आप ज़रूर पढें -

1. अपने-अपने जिला मजिस्ट्रेटों के साथ समन्वय स्थापित करते हुये सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त करा लिये जाये तथा समय से आवश्यक पुलिस प्रबन्ध सुनिश्चित किये जाये।

2. देश के अन्य राज्यों में होने वाली प्रतिक्रियाओं पर सतर्क दृष्टि रखते हुए राज्य में इसका प्रभाव न पड़ने दिया जाये ।

3. जनपद क्षेत्रान्तर्गत जिला मुख्यालयों, महत्वपूर्ण संस्थानों, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेल मार्ग, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डो, बाजारों, भीड-भाड वाले स्थलों एवं महत्वपूर्ण स्थलों आदि पर आवश्यकतानुसार पुलिस/पीएसी बल को दंगा नियंत्रण उपकरणों, टियर गैस आदि के साथ नियुक्त किया जाये।

4. यातायात को सुचारु रुप से संचालित कराये जाने हेतु पूर्व से एक कार्ययोजना तैयार कर ली जाये तथा आवश्यकतानुसार उसका उपयोग किया जाये ।

5. जनपद प्रभारी स्वयं भी लगातार सतर्क दृष्टि रखते हुये छोटी से छोटी घटनाओं पर नियमानुसार कार्यवाही कराते हुए कार्यक्रमों की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी अवश्य कराएं।

6. जनपद में स्थापित सोशल मीडिया मॉनीटरिंग सैल, सोशल मीडिया प्रमोशन सैल एवं साईबर सैल के माध्यम से सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली खबरों पर भी सतर्क दृष्टि रखें और तत्काल उनका खण्डन कराते हुए सम्बन्धित व्यक्तियों के विरूद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करायी जाये।

इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक अभिसूचना एवं सुरक्षा- ए पी अंशुमान, पुलिस उप महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र - करन सिंह नगन्याल, पुलिस उप महानिरीक्षक, पी/एम- सेंथिल अबुदेई कृष्ण राज एस, पुलिस उप महानिरीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था- पी0 रेणुका सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

धामी सरकार के 100 दिन पूर्ण होने पर गोपेश्वर तथा टनपुर को सैनिक कल्याण गृहों की सौगात

फौजियों और उनके परिजनों को मिलेगी बेहतरीन सुविधा, राज्य के समस्त सैनिक कल्याण गृहों का होगा कायाकल्प सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

''हमारी सरकार छुट्टी पर घर आ रहे फौजियां तथा उनके परिजनों को सैनिक आवस गृहों में बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध करवाने के प्रतिबद्ध है। मैं जब फौजी था तो मैंने देखा है कि विश्राम गृहों में बंक बैड में सोना पड़ता था। तब से आज तक बहुत सुविधाएं बढ़ी है। परंतु राज्य के लगभग सभी सैनिक विश्रामगृहों की स्थति आज ऐसी नहीं है कि छुट्टी आ रहे हमारे फौजी अपने परिवार को सम्मान और गौरव के साथ वहां रहने के लिए ला सकें और उन्हें अच्छी सुविधाएं व आव-भगत मिले।

इसलिए हमने योजना बनाई है कि राज्य के सभी 37 सैनिक विश्राम गृहों को ज्यादा बेहतर सुविधओं तथा रहने के लिए ज्यादा आरामदायक बनाया जाए''। यह कहना था सूबे के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी का।

शिविर कार्यालय में सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारियों संग राज्य के सभी 37 सैनिक विश्रामगृहों के जीर्णोद्धार तथा नवनिर्माण की कार्ययोजना पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि बजट की उपलब्धता के अनुसार प्रथम चरण में रेल हैड पर स्थित हल्द्वानी, टनकपुर तथा कुमांउ में पिथौरागढ़ एवं गढ़वाल में गोपेश्वर के सैनिक विश्रामगृहों के पुर्ननिर्माण की योजना बनाई गई है। इसके तहत राज्य सरकार के प्रथम 100 दिन पूर्ण होने के अवसर पर आगामी 30 जून को गोपेश्वर तथा टनकपुर के विश्रामगृहों के नवनिर्माण का शिलान्यास मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त निदेशक सैनिक कल्याण द्वारा सुझाव दिया गया कि युवाओं को दिए जाने वाले सेना भर्ती पूर्व प्रशिक्षण को ''वॉर विडोज ब्वायज एण्ड गर्ल्स हॉस्टल'' से संचालित किया जा सकता है। क्योंकि वहां 50 प्रशिक्षुओं के रहने खाने तथा प्रक्टिस की प्र्याप्त सुविधाएं मौजूद हैं। जिस पर सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि कर्नल ऑफ द रेजिमेंट, गढ़वाल रायफल से वह स्वयं इस विषय पर चर्चा करूंगा। इस दौरान निदेशक सैनिक कल्याण कर्नल बी0एस0 रावत तथा पेयजल निमार्ण निगम के अधिक्षण अभियंता एस0के0 पंत भी उपस्थित रहे।

बागेश्वर : 39 युवाओं को मिला 1.7 करोड़ रुपये का ऋण, स्वरोज़गार से जुड़ेंगे युवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के बागेश्वर में बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 39 बेरोजगारों को समिति ने 1.7 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया है ... वहीं, ऋण देने से पहले जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय कमेटी द्वारा मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लिए युवाओं का साक्षात्कार लिया गया. इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना महत्वपूर्ण है. जिसमें अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का उद्देश्य से उन्हें ऋण मुहैया कराया जा रहा है. ऐसे में यह योजना पलायन रोकने में भी सहायक साबित होगी....

बता दें कि जनपद बागेश्वर में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लिए 54 युवाओं ने ऑनलाइन आवेदन किये थे. जिसमें 10 आवेदनकर्ता अनुपस्थित रहे और पांच एप्लीकेशन को रिजेक्ट कर दिया गया था. ऐसे में बाकी बचे 39 युवाओं का साक्षात्कार के बाद बकरी पालन, मुर्गी पालन, डेयरी, रेडीमेड गारमेंट्स सहित अन्य व्यवसाय हेतु 1.7 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया है

जिलाधिकारी विनीत कुमार ने महाप्रबंधक उद्योग को निर्देश दिए हैं कि वे अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं से आवेदन के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके. इस मौके पर जिलाधिकारी ने साक्षात्कार में शामिल हुए युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह जिस रोजगार के लिए ऋण ले रहे है.

भारत में दो महीने पहले लॉन्च की गई नई यामाहा MT-15 V2 की कीमतों में बढ़ोतरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

Yamaha Motor India (यामाहा मोटर इंडिया) ने अपने पोर्टफोलियो में ज्यादातर मोटरसाइकिलों की कीमतों में बढ़ोतरी की है। लेटेस्ट कीमत बढ़ोतरी में MT-15 V2 नेकेड स्ट्रीट फाइटर बाइक भी शामिल है।कितनी बढ़ी कीमतहाल ही में लॉन्च की गई नई बाइक Yamaha MT-15 V2 अब 2,000 रुपये महंगी हो गई है। मोटरसाइकिल के ब्लैक कलर ऑप्शन की कीमत अब 1,61,900 रुपये से शुरू होती है। यह ट्रिम पहले 1,59,900 रुपये में बिकता था। जबकि, सियान और आइस ब्लू कलर ऑप्शन की कीमत अब 1,62,900 रुपये हो गई है, जो पहले 1,60,900 रुपये थी।

इंजन और पावर

कीमतों में बढ़ोतरी के ऐलान के अलावा, मॉडल में कोई अन्य बदलाव नहीं किया गया है। इस बाइक में पहले की तरह 155cc, सिंगल-सिलेंडर इंजन मिलता है। यह लिक्विड-कूल्ड, 4-स्ट्रोक, SOHC, 4-वाल्व इंजन 10,000 rpm पर अधिकतम 18.4 PS का पावर और 7,500 rpm पर 14.1 Nm का पीक टॉर्क जेनरेट करता है।

फीचर्स

बाइक के कुछ अहम फीचर्स की बात करें तो इसमें ब्लूटूथ-इनेबल्ड स्क्रीन, एलईडी हेडलैंप और सिंगल-चैनल एबीएस शामिल है। MT-15 V2 में अपसाइड-डाउन फोर्क्स और एल्यूमीनियम स्विंग आर्म भी मिलता है जिसे R15 V4 से लिया गया है।

स्पीकर ऋतू खंडूड़ी के प्रयासों से कोटद्वार में मेगा स्वास्थ्य शिविर हुआ आयोजित

शिविर में 3 हजार से अधिक लोगों ने लिया स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार में विधान सभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण के प्रयासों एवं यथार्थ हॉस्पिटल, नोएडा के सहयोग से बहुत बड़े स्तर पर कोटद्वार के क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सेवा का लाभ पहुंचाने हेतु निशुल्क चिकित्सा जांच, परामर्श एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन श्री गुरु रामराय पब्लिक स्कूल, पदमपुर में किया गया। इस शिविर के दौरान 3 हजार से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ लिया। स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण द्वारा विधिवत रूप से किया गया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने शिविर में लगे परीक्षण स्टालों का निरीक्षण किया एवं स्वास्थ्य परीक्षण करने पहुंचे लोगों की कुशलक्षेम भी पूछी।

यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा से बुलाई गई टीम में 22 से अधिक डॉक्टरों एवं 50 से अधिक मेडिकल स्टाफ ने क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराई।

सुबह 8:00 बजे से प्रत्येक विशेषज्ञ के पास लोगों का तांता लगा रहा, जिस में हड्डी रोग विशेषज्ञ के पास सबसे अधिक मरीजों ने चिकित्सा सेवा का लाभ लिया। आयोजित स्वास्थ्य शिविर के दौरान डॉक्टरों की टीम ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवाइयां वितरित की।

शिविर में एनसीडी-एण्ड टीबी स्क्रिनिंग, गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण, परिवार कल्याण परामर्श, टीकाकरण, नेत्र परीक्षण, डेंटल चेकअप, ब्लड जांच, ड्रग डिस्ट्रिब्यूशन काउंटर, स्कीन संबंधी बीमारी, मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण संबंधित आदि स्टॉल लगाए गये थे। इस दौरान 2 हजार से अधिक लोगों ने विभिन्न प्रकार की जांच कराई शिविर में नेत्र, जनरल मेडिसिन, स्त्री रोग, शिशु रोग,नाक-कान-गला, दंत रोग, हड्डी रोग, ह्रदय रोग, गैस्ट्रो, मानसिक रोग, गला विशेषज्ञ मौजूद रहे

दून पुलिस ने प्रतियोगी छात्रों के बीच चलाया संवाद अभियान - अफवाहों से बचने की दी सलाह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून के पुलिस कप्तान और डीआईजी जन्मेजय खंडूरी के निर्देश पर देहरादून के अलग अलग इलाकों और संस्थानो में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र- छात्राओं को जनपद पुलिस ने जागरूक करने के साथ साथ अफवाओं तथा भ्रामक खबरों से सावधान रहने व कानून का पालन करने की हिदायत दी है। ।पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जन्मेजय खंडूरी ने दून के नगर व देहात क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों तथा कोचिंग सेंटरों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र- छात्राओं को उनके भविष्य के प्रति जागरूक बनाने का प्रयास शुरू किया है और इसी कड़ी में इन युवाओं को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित की जा रही अधूरी जानकारियों तथा अफवाओं से सावधान रहते

इस जागरूकता कार्यक्रम में देहरादून के नगर व देहात क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया, जिसमें सरिता डोभाल ,पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा कैडेट डिफेंस एकेडमी रायपुर ,जूही मनराल, क्षेत्राधिकारी डालनवाला द्वारा चाणक्य डिफेंस एकेडमी काला गांव , राजपुर , पल्लवी त्यागी, क्षेत्राधिकारी मसूरी द्वारा डीडी डिफेंस एकेडमी निम्बुवाला, कैण्ट , प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कैंट द्वारा महिन्द्रा ग्राउण्ड कैण्ट , प्रभारी निरीक्षक ऋषिकेश द्वारा डिग्री कालेज ग्राउंड ऋषिकेश में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया ।हुए किसी भी अराजक तत्व के बहकावे में आकर सोशल मीडिया के माध्यम से गलत व भ्रामक सूचनाओं का आदान प्रदान न करने की हिदायत दी है

एसएसपी / डीआईजी के निर्देश पर उत्तराखंड पुलिस के अलग अलग टीम द्वारा अनेक जगहों पर इस तरह के जागरूकता अभियान को चलाया गया है। इस दौरान पुलिस अधिकारीयों ने स्टूडेंट्स को समझाते हुए कहा कि अधूरी जानकारी अथवा अफवाहों में आकर कोई ऐसा असंवैधानिक कार्य न करें, जिससे उनके भविष्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़े। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान युवाओं द्वारा उपस्थित अधिकारियों से प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अपनी शंकाओं के विषय में सवाल किए गए, जिनका जवाब देते हुए उपस्थित अधिकारियों ने उनके सवालों के जवाब भी दिए।

DM ने राजस्व चौकी उपलब्ध करवाई और SSP ने साहिया में खोल दी पुलिस चौकी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

साहिया क्षेत्र से लंबे समय से पुलिस चौकी की मांग उत्तराखंड पुलिस को मिल रही थी जो अब पूरी हो गई है. एसएसपी जन्मेजय खंडूरी ने सहिया में पुलिस चौकी का विधिवत उद्घाटन किया. बता दें कि पिछले कई वर्षों से साहिया क्षेत्र में ग्रामीणों पुलिस चौकी की मांग कर रहे थे. वहीं साहिया में चौकी नहीं होने से राजस्व पुलिस कार्य देख रही थी. दिसंबर 2021 से क्षेत्र में राजस्व पुलिस अपनी मांगों को लेकर पुलिस कार्य का कार्य बहिष्कार कर रहे हैं, जिस कारण से क्षेत्र में कानून व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही थी.

इस दौरान क्षेत्र में अपराधिक गतिविधियों और अपराध का ग्राफ बढ़ने लगा था. पिछले दिनों साहिया में एक युवक की हत्या का मामला सुर्खियों में रहा. जिस कारण से क्षेत्र की जनता ने कालसी चकराता मोटर मार्ग पर जाम लगाकर पुलिस चौकी की मांग की थी. वही कई संगठनों ने डीजीपी को भी ज्ञापन दिए थे.विधानसभा सत्र में चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने भी इस मुद्दे को बड़े जोर शोर से विधानसभा में उठाया था. जिसको देखते हुए आज एसएसपी जन्मेजय खंडूड़ी ने साहिया में पुलिस चौकी का विधिवत उद्घाटन किया गया. एसएसपी जन्मेजय खंडूड़ी ने कहा सहिया में पुलिस चौकी पूर्व में ही स्वीकृत हो चुकी थी, लेकिन जमीन ना मिलने के कारण पुलिस चौकी नहीं खुल पाई... जिलाधिकारी ने राजस्व चौकी उपलब्ध करवाया और शीघ्र ही मेरे द्वारा साहिया में चौकी इंचार्ज तैनात किया गया.6 कांस्टेबल का ट्रांसफर कर साहिया पुलिस चौकी भेजा गया है. एसएसपी ने कहा नशे के खिलाफ जिस तरह अन्य थानों और चौकियों में अभियान चलाया जाता है. इसी तरह साहिया चौकी क्षेत्र में भी चलाया जाएगा. क्षेत्र में गश्त की जाएगी, बाजार में हुड़दंग करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी. पब्लिक की समस्या को पुलिस के माध्यम से भी निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा

गजब हो गया ! चमोली एसपी श्वेता चौबे ने पकड़ी एक ही नंबर की 2 टेम्पो ट्रैवलर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अपराधी कितना भी शातिर हो, चमोली पुलिस की एसपी श्वेता चौबे की पैनी नजरों से नही बच सकता है। ऐसा ही एक मामला सामने आया जिसमें पुलिस को गोपनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि दो एक ही पंजीकरण नंबर की टेम्पो ट्रैवलर जोशीमठ से श्री बद्रीनाथ धाम की तरफ गयी है जो कि फर्जी पंजीकरण नंबर से वाहन चला रहा है । पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे को इस खबर की जानकारी मिलते ही वो तुरंत सक्रिय हुईं और दोनों वाहनों की ढूंढ खोज के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाने का आदेश दिया

जिस पर पुलिस ने तेज़ी से कार्यवाही करते हुए यातायात निरीक्षक कैलाश चन्द्र शर्मा के नेतृत्व में बद्रीनाथ धाम से माणा तक सभी वाहनों की गहनता से छानबीन की गयी। काफी ढूंढखोज करने के बाद माणा रोड़ की तरफ एक वाहन माणा पार्किंग में व दूसरा माणा रोड़ के पास मिला उक्त दोनों गाडियों में एक ही पंजीकरण नंबर PB 01A 3355 की नंबर प्लेट लगी हुयी थी। एक ही नंबर प्लेट होने पर संदिग्ध पाये जाने पर दोनो वाहनों व उनके चालक क्रमशः (1) सुनील कुमार पुत्र करमचंद निवासी नामगढ़ पटियाला पंजाब व (2) राकेश कुमार पुत्र धर्मचंद निवासी बजवाड़ा होशियारपुर पंजाब उम्र 42 वर्ष को थाना लाया गया। जहां पूछताछ में पहले तो दोनों चालकों ने गाड़ी नंबर सही होने की बात कहते रहे लेकिन बाद में जैसे ही दोनों वाहनों के दस्तावेजों की गहनता से जांच की गयी तो फर्जीवाड़े का राज खुल गया।

जिसमें चालक राकेश कुमार व वाहन स्वामी चरणजीत सिंह व अन्य अज्ञात व्यक्तियों द्वारा धोखाधड़ी, दस्तावेज बनाकर 2 टेम्पो ट्रैवलर एक ही नम्बर से चलाना पाया गया। जिसके आधार पर उक्त के विरुद्ध कोतवाली श्री बद्रीनाथ में मुकदमा पंजीकृत कर चालक रमेश कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा इस गैंग का पता लगाया जा रहा है ये देशभर में कहाँ से संचालित होता है व इसमें किस-किस की सहभागिता है जिसके लिए विवेचना जारी है । एसपी श्वेता चौबे ने कहा है कि चमोली पुलिस की सख्त कार्यवाही और अपराधियों पर कड़ी नज़र रखी जायेगी।

वाह ! केवल तीन शब्दों में ही दे दिया बॉस को इस्तीफा - लेटर हुआ वायरल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इंटरनेट पर कई बार ऐसी चीजें वायरल होने लगती हैं जिन्हें एक नजर में देखकर मजा आ जाता है। ऐसा ही एक रेजिग्नेशन लेटर अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें तीन ही शब्दों में पूरी बात कह दी गई।इंटरनेट पर कई बार अजीबो-गरीब ऐप्लिकेशन या लेटर वायरल हो जाते हैं जिन्हें पढ़कर पूरा मजा आता है। अब एक ऐसा रेजिग्नेशन लेटर वायरल हो रहा है जिसमें पढ़ने के लिए बहुत कुछ नहीं है लेकिन लोगों को काफी मजा आ रहा है। सोशल मीडिया पर इस त्याग पत्र को पढ़कर लोग आनंद ले रहे हैं। इस शख्स ने तीन शब्दों में ही बॉस को इस्तीफा थमा दिया।

लोग जब इस्तीफा देते हैं तो अपने अंदाज में इसका मैटर तैयार करते हैं। इसमें कम से कम लोग अपने बॉस या कंपनी को धन्यवाद देते हैं।

अपना अनुभव भी शेयर करते हैं। कई बार इस्तीफा देने की वजह भी बताई जा रही है। लेकिन इस लेटर में केवल डियर सर के बाद 'बाय-बाय सर' ही लिखा गया है। ट्विटर पर कावेरी नाम की यूजर ने इस लेटर की तस्वीर शेयर की। इस रेजिग्नेशन लेटर को पढ़कर सोशल मीडिया पर लोगों ने तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं भी दीं। लोगों ने अपने-अपने अनुभव भी साझा किए। सुभाष नाम के यूजर ने लिखा, मेरे ऑफिस में भी ऐसा ही हुआ। एक शख्स ने लिखा, आई ऐम रिजाइन। इसके बाद नीचे साइन करके निकल गया।

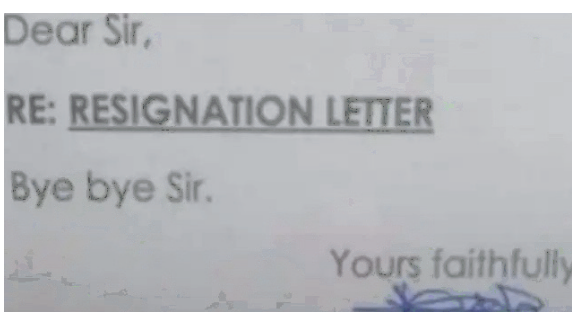

संपादकीय

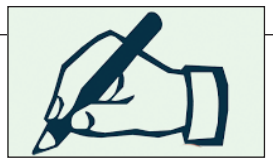

सैन्य सुधारों का 'अग्निपथ'

देश के 19 राज्यों में 'अग्निपथ' का बेहद हिंसक विरोध किया गया है। रेलगाडियों और उनके इंजन फूंकना, रेलवे स्टेशनों के भीतर तबाही, वाहनों को जलाकर राख करना और पुलिस पर पथराव की मुहिम 'अग्निपथ' योजना का तार्किक विरोध नहीं माना जा सकता। चूंकि यह योजना एक गंभीर सैन्य सुधार है और भारत में सुधार करना एक विराट चुनौती रही है। कम्प्यूटर का विरोध किया गया, खुली अर्थव्यवस्था और उदारीकरण का विरोध किया गया, कृषि कानूनों और खुले बाज़ार का इतना विरोध किया गया कि प्रधानमंत्री मोदी को कानून वापस लेने पड़े। सबसिडी और अन्य व्यवस्थाओं में नए सुधार किए गए, तो उनका भी विरोध किया जाता रहा है। देश में एक तबका ऐसा है, जो लुंज-पुंज अर्थव्यवस्था और नीतियों का पक्षधर रहा है। वह देश में कुछ भी नयापन नहीं, परिवर्तन नहीं, यथास्थिति चाहता है। वह तबका सेना को भी 'बूढ़ी' ही रहने देने के पक्ष में है। उसे सुधार और 25-26 साल औसत उम्र वाली सेना नहीं चाहिए। नोटबंदी और जीएसटी भी व्यापक आर्थिक सुधार थे। जीएसटी से एक लाख करोड़ रुपए से अधिक सालाना का राजस्व कमाया जा रहा है। क्या विरोधी नहीं जानते? जिन सुधारों का जमकर, कट्टर विरोध किया गया था, आज वे सभी हमारी व्यवस्था के बुनियादी ढांचे हैं। क्या आज कम्प्यूटर के बिना हम रोजमर्रा के कामों की भी कल्पना कर सकते हैं? आपका मोबाइल फोन ही ठप हो जाएगा। आपको नौकरी ही नसीब नहीं होगी। आप डिजिटल लेन-देन में असहाय महसूस करेंगे। इसी तरह 'अग्निपथ' के जरिए सैन्य सुधार धीरे-धीरे स्पष्ट हो रहे हैं। भारत सरकार लगातार संशोधन कर रही है। केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व सेना प्रमुख जनरल वीके सिंह ने साफ कहा है कि जो युवा राष्ट्रीय संपत्तियों को जला रहे हैं, हिंसक तांडव मचाए हुए हैं, वे सेना में प्रवेश के लायक ही नहीं हैं। उनकी उम्र भी 28-30 साल से ज्यादा ही लगती है। वे सेना में भर्ती होने के इच्छुक युवा नहीं हैं। वे अराजक, असामाजिक चेहरे हो सकते हैं। उनके चेहरों की पहचान की जाए और प्राथमिकियां दर्ज करके जेल में ठूंस दिया जाए, ताकि सभी सरकारी नौकरियों की उनकी पात्रता ही खत्म हो जाए। एक और पूर्व सेना प्रमुख जनरल वीपी मलिक और कुछ रक्षा विशेषज्ञों ने भी यही बात कही है। सेना राष्ट्र-सुरक्षा, निर्माण, एकता, अखंडता का नाम है। सेना को देश-विरोधी और विध्वंसक लफंगे नहीं चाहिए। बेशक इन हिंसक दंगाइयों को राजनीतिक संरक्षण में भड़काया-सुलगाया भी गया है। 'बिहार बंद' का आह्वान बेमानी था। उसके पीछे राजद, कांग्रेस, वामदलों का समर्थन था। सत्तारूढ़ एवं भाजपा के सहयोगी दल जद-यू ने भी खामोश समर्थन दिया था, लिहाजा जल रहे और तोड़-फोड़ के शिकार स्थलों पर पुलिस घंटों देर से क्यों पहुंची? जो पुलिसिए मौजूद थे, वे डर कर और दुबक कर कमरों में बंद क्यों हो गए? गुंडों और दंगाइयों का मुकाबला क्यों नहीं किया? सरकारी तंत्र को कोई भी इसी तरह 'मलबा' बना सकता है क्या? रविवार को दिल्ली में जंतर-मंतर पर कांग्रेस का प्रतीकात्मक अनशन भी फिजूल था। कमोबेश सैन्य सुधारों पर देश को एकजुट दिखना चाहिए था। विपक्ष की कुछ आपत्तियां हैं, तो संसद का मॉनसून सत्र आने ही वाला है। वहां अपनी बात को रखा जाना चाहिए। यह भारत की सेना है, न कि भाजपा की, लिहाजा सुधार भी भारतीय होंगे। विपक्ष का मतलब हिंसक आगजनी, तोड़-फोड़ करना नहीं है। गड़े मुर्दे नहीं उखाड़ने चाहिए। देश का संविधान मौलिक अधिकार देता है, तो कुछ दायित्व भी तय करता है। हम भी सेना में मात्र चार साल के सेवा-काल के आलोचक रहे हैं। हमने लगातार विश्लेषण भी किया है। यह सेवा-काल न्यूनतम 5-6 साल का जरूर होना चाहिए। एक सैनिक को तैयार करने का बेशकीमती दायित्व है सेना के शीर्ष जनरलों का। भारत सरकार ने रिटायर हुए 'अग्निवीरों' के लिए रक्षा मंत्रालय, तटरक्षक, रक्षा के 16 सार्वजनिक उपक्रमों में और दूसरी तरफ गृह मंत्रालय ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और असम राइफल्स में 10-10 फीसदी आरक्षण की घोषणा की है। कुछ और मंत्रालयों और राज्य सरकारों में भी 'अग्निवीरों' को प्राथमिकता दी जाएगी। तीनों सेनाओं के प्रमुख 'अग्निपथ' के जरिए सैन्य सुधारों की सूक्ष्म व्याख्या कर रहे हैं। कमोबेश उन्हें सुनकर, उन पर मंथन करने की ज़रूरत है।

क्या आप भी देर रात तक जागते हैं ? हो सकते हैं ये गंभीर नुकसान

महविश फ़िरोज़ की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्या आप भी देर रात तक जागते हैं ? क्या आधी रात तक आप मोबाइल में आँखे गड़ाए रहते हैं ? क्या आप सिर दर्द , बेचैनी और आलस महसूस करते हैं ? अगर ऐसा है तो ये हमारी थका देने वाली दिनचर्या और आजकल की वर्क कल्चर और लाइफस्टाइल की वजह से है। यही वजह है कि हमारे शरीर में कोई न कोई समस्या बनी ही रहती है, ऐसे में नींद का देर से आना भी बीमारियों के मुख्य लक्षणों में से एक है। समय से न सोने पर शरीर को कई प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं, ऐसे में न्यूज़ वायरस की संवाददाता महविश बता रही हैं कि रात में देर से सोने की वजह से आपके शरीर को कौन-कौन से नुकसान होते हैं।

रात में नींद न आने का मुख्य कारण होता है प्रोक्रेस्टिनेशन सिंड्रोम

प्रोक्रैस्टिनेशन सिंड्रोम इसमें व्यक्ति को नींद तो आ रही होती है, परन्तु वे सोता नहीं है। इसके पीछे का मुख्य कारण होता है, फ़ोन का इस्तेमाल, मूवी देखना या ओटीटी प्लेटफार्म में ज्यादा से ज्यादा व्यतीत करना, आदमी अपना सोने का समय इनपर व्यतीत करता है और समय से नहीं सोता है।

जानिए आखिरकार क्यों बनती है देर से सोने की आदत

आजकल कि बिजी लाइफस्टाइल में लोग अक्सर अपना समय काम को देते हैं, ऐसे में रात का समय एकमात्र ऐसा होता है जहाँ वे नींद की पूर्ती की जगह फ़ोन चलाना, दोस्तों से बात- चीत करना इन सब में व्यतीत करते हैं।

देर रात तक जागने के जानिए कौन-कौन से हो सकते हैं नुकसानयदि आप ज्यादा देर रात तक तो इससे सेहत को कई सारे गंभीर नुकसान हो सकते हैं, जिनके बारे में आपको भी जानना चाहिए।

- लंबे समय तक देर तक जागते हैं तो आपके कार्यक्षमता पर बुरा प्रभाव पड़ता है।-रात में देर से सोने से तनाव बहुत ही ज्यादा बढ़ सकता है।-वेट के बढ़ने का खतरा अधिक रहता है।

अवैध खनन पर डीएम डॉ आर राजेश कुमार ने लाखों का जुर्माना लगाया, जब्त हुआ 9 ट्रक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राजस्व एवं खनन विभाग द्वारा विकासनगर क्षेत्र अंतर्गत अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 ट्रक/डंपर को सीज किया गया है । सभी वाहनों पर करीब 5 लाख का अर्थदंड लगाया गया है । मुख्यमंत्री सरकार पुष्कर सिंह धामी द्वारा जिला प्रशासन को अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों पर सख्त कार्यवाही करने का जिलाधिकारी डॉ आर राजेश कुमार ने अभियान छेड़ रखा है। इसी कड़ी में सभी उप जिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध खनन, भण्डारण एवं अवैध परिवहन की सूचनाओं पर नियमित छापेमारी करते हुए कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में विकासनगर क्षेत्रान्तर्गत तहसीलदार विकासनगर सोहन सिंह रागंण एवं जिला खनन अधिकारी वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में राजस्व एवं खनन विभाग द्वारा अवैध खनन एवं खनन के अवैध परिवहन के विरुद्ध चलाये गए अभियान के दौरान 9 ट्रक/डंपर सीज किया गया, जिनमें 2 वाहन बिना रवन्ना तथा 07 वाहन क्षमता से अधिक उपखनिज से भरे पाए जाने के फलस्वरूप उक्त वाहनों को सीज करते हुए राज्य में प्रख्यापित उत्तराखण्ड उप खनिज (बालू, बजरी, बोल्डर) चुगान नीति, उत्तराखण्ड खनिज नियमावली का उल्लंघन है।

सभी वाहनों पर करीब 5 लाख अर्थदण्ड की कार्यवाही की गई है।

जिलाधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार ने बताया है कि अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण पर लगातार कार्यवाही की जा रही है इसी के क्रम में देर रात विकासनगर क्षेत्र अंतर्गत यह कार्रवाई की गई। तथा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यवाही जारी रहेगी, जिसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए है।

दांतों की कैविटी से छुटकारा दिलाएंगे ये 5 घरेलू और नेचुरल तरीके

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्या आप भी अपने दांतों से परेशान हैं ? क्या आप रोजाना खाना खाने के बाद दर्द से जूझते हैं ? क्या आप डॉक्टर के चक्कर लगाते लगाते परेशान हो गए हैं ? कोई बात नहीं न्यूज़ वायरस आपको आपके दांतों के दर्द और उनमे लगने वाले कीड़े से छुटकारा दिलाने के कुछ अहम टिप्स दे रहा है। दरअसल दातों में कीड़ा लगना एक आम समस्या है. ये दांतों में सड़न के कारण होने वाले छोटे-छोटे छिद्र होते हैं. इसके लिए कई मेडिकल ट्रीटमेंट हैं, लेकिन कुछ घरेलू उपचारों के जरिए दांतों में कीड़े लगने की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है. दांतों में कीड़े लगने के कारण कई हैं...

खाने-पीने से दांतों पर प्लाक जम जाता है, इससे बैक्टीरिया बनने लगते हैं, जो दांतों की सतह और मसूड़ों के साथ चिपक जाते हैं. बैक्टीरिया एसिड पैदा करते हैं, जो कैविटी का कारण बन सकता है. दांत का कीड़ा दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचाता है. हालांकि कैविटी का इलाज दंत चिकित्सा से किया जाना चाहिए, लेकिन कुछ घरेलू उपचार कीड़े को हटाकर कैविटी रोककर दांतों मजबूत कर सकते हैं. यहां हम आपको ऐसे ही कुछ कारगर उपचारों के बारे में बता रहे हैं -

1. दांत में कीड़े को दूर करेगा ऑयल पुलिंगऑयल पुलिंग एक आयुर्वेदिक विधि है, जिससे दांतों को साफ और मजबूत बनाया जा सकता है. इसमें लगभग 20 मिनट के लिए मुंह के चारों ओर तिल या नारियल के तेल का एक बड़ा चमचा घुमाकर, फिर इसे थूकना है. एक शोध से मिले संकेत यह पाया गया है कि यह दांतों के स्वास्थ्य में सुधार कर सकता है. यह मुंह में बैक्टीरिया, प्लाक और मसूड़ों की सूजन को कम करता है.2. दांत के कीड़े को दूर करेगा एलोवेराएलोवेरा टूथ जेल कैविटी पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने में मदद कर सकता है. इस जेल का जीवाणुरोधी प्रभाव मुंह में बैक्टीरिया के निर्माण को रोकता है. एलोवेरा का उपयोग टी ट्री ऑयल के साथ एक प्रभावी कैविटी कीटाणुनाशक के रूप में किया जाता है...3. दांत के कीड़े ठीक करेगी मुलेठीमुलेठी की जड़ में जीवाणुरोधी गुण होते हैं, जो मुंह में बैक्टीरिया के विकास को रोकता है. 2019 के एक अध्ययन में पाया गया कि इसके रस में एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो फ्लोराइड माउथवॉश से अधिक शक्तिशाली होते हैं.4. मीठी चीजों के सेवन से बचेंज्यादा मीठी चीजें खाना-पीना दांतों में कीड़े लगने की समस्या हो सकती है. शुगर मुंह में बैक्टीरिया के साथ मिल जाती है और एक एसिड बनाती है, जो दांतों के इनेमल को खराब कर देती है.5. अंडे के छिलकेअंडे के छिलकों में कैल्शियम होता है जिसका उपयोग कोई व्यक्ति दांतों के इनेमल को ठीक करने में मदद कर सकता है. यह दांतों से प्लाक हटाने में भी मददगार होता है. एक अध्ययन के अनुसार अंडे के छिलके दांतों को अम्लीय पदार्थों से बचाते हैं.

परिवार का दिल मां है तो उसकी आत्मा हैं पिता - यूँ बढ़ाएं प्यार

मां की ममता और पिता की क्षमता का अंदाजा कोई नहीं लगा सकता है

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आज बात घर के अंदर की उस दुनिया की करते हैं जिसमें रिश्तों की झुरमुठ परवान चढ़ती है। स्नेह , आदर , समर्पण और उम्मीदों की छाँव में संबंधों के फूल खिलते हैं। दहलीज़ के उस पार चार दीवारी के अंदर सजे संसार का दिल अगर मां होती है तो उसकी आत्मा पापा होते हैं। दोनों के प्यार और त्याग से ही एक खुशहाल परिवार की नींव रखी जा सकती है। लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि बच्चे मां के ज्यादा करीब होते हैं, उन्हें अपने दिल की बात,जीवन से जुड़े फैसलों को पापा से शेयर करने में थोड़ी झिझक और शर्म महसूस होती है। पापा के साथ ऐसा रिश्ता बचपन में ही नहीं बड़े होने तक बना रहता है। अगर आपको भी अपने पापा के साथ कुछ भी शेयर करने में झिझक महसूस होती है तो आइये न्यूज़ वायरस के इस आर्टिकल से आपको बताते हैं कि आखिर कैसे आप अपने पापा के साथ अपने रिश्ते को बना हैं मजबूत -

हमारी बताई इस टिप्स पर आप आज से ही अमल शुरू कर दीजिये फिर देखिये पापा के साथ रिश्तें मजबूत बनने में देर न लगेगी -

1 - अपने पापा से कॉमन इंट्रेस्ट के बारे में बात करें। चाहे वह खेल की बाते हों, पॉलिटिक्स हो या सिर्फ रोजमर्रा की बातें हों, उन चीजों को अपनी बाते में जोड़ें जिनके बारे में बात करके आप दोनों को अच्छा लगे। ऐसा करने से आप दोनों का संबंध गहरा होगा

।2 - एक दूसरे के लिए समय निकालें। भले ही आप दोनों व्यस्त हों, फिर भी एक दूसरे के साथ समय बिताने के लिए एक नियमित समय निर्धारित करें। अगर आप कॉफी के लिए बाहर जा रहा हो या पापा सैर पर जा रहे हों तो एक दूसरे के साथ जा सकते हैं। किसी भी रिश्ते के लिए क्वालिटी टाइम जरूरी है।

3 - पापा के साथ उन गतिविधियों को करने में समय बिताएं जो उन्हें पसंद हैं, उदहारण के तौर पर अगर उन्हें गोल्फ़िंग, फिशिंग या हाइकिंग पसंद है, तो उनसे पूछें कि क्या वो इन चीज़ों को आपके साथ करना चाहेंगे।

4 - पापा से उन चीजों के बारे में बात करें जो आपके लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्हें अपनी आशाओं, सपनों और आशंकाओं के बारे में बताएं। इससे उन्हें आपको बेहतर ढंग से समझने और करीब महसूस करने में मदद मिलेगी।

5 - एक दूसरे के प्रति ईमानदार रहें। जरूरी नहीं आप किसी अहम टॉपिक पर

बातचीत करें। अगर कोई बात आपको परेशान कर रही है, तो अपने पिता से इस बारे में बात करें। हो सकता है कि वे आपके विचार से ज्यादा समझदार हों।

6 - एक दूसरे का समर्थन करें। एक दूसरे के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने से आपका समर्थन दिखेगा। आपके रिश्ते को मजबूत करने में मदद करेगा।

7- अपने पापा का समय-समय पर आभार व्यक्त करें। अपने पिता को बताएं कि आप अपने जीवन में उनकी उपस्थिति को कितना महत्व देते हैं। एक सिंपल शब्द ₹थैंक्यू पापा को यह दिखाने में बहुत मदद कर सकता है कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं।

निकाल लीजिये छाता, रेनकोट, वाटरप्रूफ ट्रेकिंग शूज, अब बरसेंगे मेघा कारे

अरशद की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अगर आप उत्तराखंड के पहाड़ों की सैर पर आने की सोच रहे हैं तो आपको यहाँ बता दें कि उत्तराखंड में मौसम बदलने जा रहा है। आने वाले चार दिनों तक प्रदेश में मौसम पूरी तरह बदला हुआ नजर आएगा। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक राज्य में चार धाम समेत अनेक जिलों में बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। ऐसे में पर्यटन विभाग ने उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों से अपील की है।उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) में बने कंट्रोल रूम के ट्रोल फ्री नंबर या मौसम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट से मौसम व मार्गों की पूर्ण जानकारी लेकर और पंजीकरण करने के बाद ही उत्तराखण्ड आने का प्लान बनाए। इसके अलावा यात्रा के दौरान तीर्थयात्री ऊनी कपड़े, छाता, रेनकोट, वाटरप्रूफ ट्रेकिंग शूज, चलने की छड़ी, टोपी, दस्ताने भी अपने साथ

रखें।मौसम विभाग के अनुसार 17 जून को अधिकांश स्थानों में गर्जन के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं। जबकि उत्तरकाशी, देहरादून, नैनीताल, बागेश्वर व पिथौरागढ़ जिले में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावनाएं जताई हैं। 18 जून को भी राज्य में बारिश की संभावना है। 19 जून को गढ़वाल व कुमाऊं मंडल के क्षेत्रों में गर्जन के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। 20 व 21 जून को प्रदेश के जनपदों में कहीं-कहीं तीव्र बौछार होने के साथ कुमाऊं मंडल के जिलों के अनेक स्थानों व गढ़वाल मंडल के जिलों के कुछ स्थानों में हल्की से मध्यम गर्जन के साथ बारिश होने के आसार हैं।मौसम विभाग ने भारी बारिश की संभावना वाले जिलों में हल्का भूस्खलन, चट्टान गिरने, सड़कें बंद होने, नदी-नालों में पानी बढ़ने को लेकर चेतावनी जारी की है। ऐसे में किसी भी प्रकार की परेशानी से बचने के लिए पर्यटकों को उत्तराखण्ड आने से पहले मौसम व मार्गों की पूर्ण जानकारी लेकर आने की सलाह दी जाती है।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा